सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 160 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 17 जुलाई, 2026
मूल्य ₹ 3/-

मेरे भूत, वर्तमान और भविष्य के बीच एक आम कारक है- रिश्ते और विश्वास। यही हमारे विकास की नींव हैं।
-धीरूभाई अंबानी

नौ रूट ने इंग्लैंड को दिलाई शानदार... 7 | 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों... 3 | बीजेपी को शिक्षा में भी साप्रदायिकता... 2

जवाब दे सरकार, ई-20 पर चला अदालत का हथौड़ा

देश को एथेनॉल की प्रयोगशाला बनाने का कौन जिम्मेदार?

» रायपुर की अदालत ने ई-20 ईंधन के चलते खराब हुई कार का मुआवजा देने का दिया आदेश

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की सड़कों पर दौड़ती करोड़ों गाड़ियों के बीच अब सिर्फ इंजन की आवाज नहीं बल्कि एक बड़ा सवाल भी दौड़ रहा है और वह सवाल है कि क्या देश के वाहन मालिकों को बिना पूरी तैयारी के एक ऐसी ईंधन नीति के भरोसे छोड़ दिया गया जिसका जोखिम आखिरकार उन्हें ही उठाना पड़ रहा है? रायपुर उपभोक्ता आयोग के फैसले ने पहली बार इस बहस को अदालत के दरवाजे तक पहुंचा दिया है। एक कार मालिक ने दावा किया कि ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल के बाद उसकी नई कार बार-बार खराब हुई।

मामला अदालत तक पहुंचा। आयोग ने उपभोक्ता को राहत देते हुए वाहन बदलने या पूरी कीमत लौटाने का आदेश दिया है। इस आदेश के बाद एथनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर चल रही उस राष्ट्रव्यापी बहस को नया एंगल मिल गया है जिसमें इस पेट्रोल के खतरों पर बात हो रही है। इस मुद्दे पर सरकार का दावा है कि इंजन पर इस का असर नहीं पड़ेगा वहीं वाहन मालिक खतरों की बात कर रहे हैं। रायपुर के ताजा फैसले से इस बहस ने नया आकार लेना शुरू कर दिया है। यह विवाद सिर्फ एक कार एक ग्राहक या एक कंपनी का नहीं रह गया है। यह उस नीति पर सवाल खड़े कर रहा है जिसके तहत देशभर में एथनॉल मिश्रित पेट्रोल को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार का तर्क है कि इससे कच्चे तेल का आयात घटेगा किसानों को नया बाजार मिलेगा प्रदूषण कम होगा और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी। दूसरी ओर सवाल उठ रहे हैं कि क्या सभी वाहन वास्तव में इस ईंधन के लिए समान रूप से तैयार हैं? यदि किसी उपभोक्ता को नुकसान होता है तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? यदि पेट्रोल पंप पर दूसरा विकल्प ही उपलब्ध न हो तो उपभोक्ता की पसंद कहां बचती है? इस मुद्दे पर पालिटिक्स भी शुरू हो चुकी है और भारतीय राजनीतिक विपक्षी पार्टियां सरकार से सवाल पूछ रही हैं कि क्या एथनॉल नीति लागू करने से पहले पर्याप्त स्वतंत्र परीक्षण पारदर्शी निगरानी और उपभोक्ता सुरक्षा तंत्र तैयार किया गया था। अब बहस सिर्फ ईंधन की नहीं है। बहस भरोसे की है। बहस जवाबदेही की है। बहस उस आम आदमी की है जिसने सरकार की नीति पर विश्वास करके वही पेट्रोल भरवाया जो पंप पर उपलब्ध था। अदालत का यह फैसला अंतिम शब्द नहीं है लेकिन इसने एक ऐसा सवाल जरूर खड़ा कर दिया है जिसे अब नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा।

> एक कार मालिक ने दावा किया कि ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल के बाद उसकी नई कार बार-बार खराब हुई।

देश पूछ रहा है- जवाब कौन देगा?

देश अब पांच बड़े सवालों के जवाब मांग रहा है। पहला सवाल यदि ई20 पूरी तरह सुरक्षित और सभी मानकों के अनुरूप है तो फिर इस तरह का विवाद पैदा क्यों हुआ? दूसरा सवाल यदि किसी उपभोक्ता को नुकसान होता है तो जिम्मेदारी आखिर किसकी होगी। वाहन निर्माता की ईंधन आपूर्ति करने वाली कंपनी की या उस व्यवस्था की जिसने इस नीति को लागू किया? तीसरा सवाल यदि अधिकांश पेट्रोल पंपों पर केवल ई20 ही उपलब्ध है तो उपभोक्ता की वास्तविक पसंद कहां बचती है? चौथा सवाल जब किसी विवाद की स्थिति बनती है तो जवाबदेही तय करने की स्पष्ट व्यवस्था क्या है? वाहन निर्माता एक पक्ष की ओर इशारा करता है तेल कंपनी दूसरे पक्ष की ओर और उपभोक्ता दोनों के बीच फंस जाता है। आखिर अंतिम जिम्मेदार कौन है? पांचवां और अहम सवाल यह है कि क्या इस फैसले के बाद देशभर में ऐसे अन्य वाहन मालिक भी सामने आएंगे जो अपनी शिकायतों को अदालत तक ले जाएंगे? यदि ऐसा होता है तो यह केवल उपभोक्ता विवाद नहीं रहेगा बल्कि नीति नियमन और उपभोक्ता संरक्षण से जुड़ी राष्ट्रीय बहस बन सकता है।

ये है पूरा मामला

प्रेमराज देवता नाम के व्यक्ति ने आरोप लगाया कि उनकी मारुति ग्रैंड विटारा कार में ई20 पेट्रोल के उपयोग के बाद बार-बार समस्याएं आने लगीं। शिकायत में इंजन संबंधी परेशानी, परफॉर्मेंस के खराब होने, मिसफायरिंग और लगातार माइलेज घटने जैसी समस्याओं का जिक्र किया गया। प्रेमराज का दावा है कि ई20 पेट्रोल के उपयोग के बाद वाहन की समस्या दूर नहीं हुई जबकि कई बार सर्विस सेंटर में जांच और मरम्मत कराई गई। आयोग ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 35 के तहत परिवाद को आंशिक रूप से स्वीकार किया। आयोग ने माना कि ई20 पेट्रोल के संबंध में उपभोक्ता के पास व्यवहारिक रूप से अन्य ईंधन विकल्प उपलब्ध नहीं था क्योंकि अधिकांश पेट्रोल पंपों पर यही ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा था। आयोग ने संबंधित पक्षकारों को निर्देश दिया कि वह उपभोक्ता की कार वापस लेकर उसी मॉडल की नई ई20 ईंधन समर्थित कार आदेश की तारीख से 45 दिनों के भीतर उपलब्ध कराएं। अगर निर्धारित अवधि में वाहन नहीं बदला जाता है तो विपक्षी पक्षकारों को वाहन की कीमत और संबंधित खर्चों का भुगतान (कुल राशि 20,50,494) करना होगा। आयोग ने यह भी आदेश दिया कि संबंधित पक्षकारों को मानसिक क्षति और वाद व्यय की राशि भी अदा करनी होगी। आयोग ने उपभोक्ता को हुई मानसिक परेशानी के लिए एक लाख रुपए और मुकदमे के खर्च के लिए 10 हजार रुपए का भुगतान करने को कहा है। आदेश में कहा गया कि राशि का भुगतान 45 दिनों के भीतर नहीं किया जाता है तो भुगतान की तारीख तक 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

बीजेपी को शिक्षा में भी साम्प्रदायिकता नजर आती है: अखिलेश

» जौहर यूनिवर्सिटी के खिलाफ बुलडोजर एक्शन के नोटिस पर भड़के सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्थित रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी के खिलाफ बुलडोजर एक्शन के नोटिस पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पर करारा वार किया है। उन्होंने बिना नाम लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भी टिप्पणी की है। यूपी के पूर्व सीएम ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि बीजेपी को शिक्षा में भी साम्प्रदायिकता नज़र आती है। शिक्षा, शिक्षक, शिक्षार्थी और शिक्षा के बाद मिलनेवाली नौकरी बीजेपी के एजेंडे में है ही नहीं।

कन्नौज सांसद ने लिखा कि बीजेपी अपने अनरजिस्टर्ड संगी-साथियों के अवैधानिक भवनों को कब ढहाएगी? जब संगी-साथी ही अपंजीकृत है, तो उनके भवन, कार्यालय, संस्थान कैसे जायज़ होंगे? निंदनीय! बता दें 15 जुलाई को रामपुर विकास प्राधिकरण ने रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माणों को अवैध बताते हुए उन्हें ध्वस्त करने का नोटिस दिया है। जौहर यूनिवर्सिटी को इस संदर्भ में 15 दिन का मौका दिया है। समाजवादी पार्टी के नेता मोहम्मद आजम खान की पत्नी डॉ. तजीन फातिमा ने कहा कि हमें 15 दिन का समय दिया गया है।

किस विश्वविद्यालय का नक्शा पास है, भाजपा सरकार बताये : फखरुल हसन

इसी मुद्दे पर सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने भी सरकार को घेरा, एक्स पर चांद ने लिखा कि उत्तरप्रदेश के विश्वविद्यालय, लखनऊ विवि, इलाहबाद विवि, बरारस विवि, अलीगढ़ विवि, लखनऊ का केजीएमयू, आदि किस विश्वविद्यालय का नक्शा पास है भाजपा सरकार बताये! सपा नेता ने लिखा कि आज़म खान का नाम जुड़ते ही सारे नियम कानून याद आ जाते है, क्यूंकि चुनाव नज़दीक है। अन्याय करने वाली सरकार जाने वाली है, सच्चे दिन आने वाले है। राजतिलक की करो तैयारी अखिलेश यादव आने वाले है।

डिंपल ने वांगचुक से अनशन तोड़ने की अपील की

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक से मिलने समाजवादी पार्टी की नेता और मैनपुरी सांसद डिंपल यादव पहुंचीं, इस दौरान उन्होंने सोनम से अपील की है कि वह अनशन खत्म करें। सपा सांसद की कॉकरोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दीपके से हुई। दीपके ने डिंपल के साथ हुई मुलाकात की चार तस्वीरें सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर शेयर की। उधर, समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने कहा, यह तो कॉकरोच जनता पार्टी के लोग ही तय करेंगे कि वह (सोनम वांगचुक) अपना अनशन कब खत्म करेंगे। लेकिन हम सरकार से कहना चाहते हैं कि थोड़ी संवेदनशीलता दिखाए और यहां आकर बातचीत शुरू करे, हम भाजपा के लोगों से भी कहना चाहते हैं कि वे अपनी असंवेदनशीलता छोड़ें, वे सनातन धर्म की बात करते हैं, लेकिन करुणा के बिना कौन-सा सनातन धर्म जीवित रह सकता है?।

दीपके ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें साझा की

इन तस्वीरों में दीपके के साथ यूपी स्थित आजमगढ़ से सपा सांसद धर्मेंद्र यादव, रामपुर सांसद मोहिबुल्लाह नदवी भी नजर आ रहे हैं। दीपके ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा मैं जंतर-मंतर पर हमारे विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने और हमारे आंदोलन को समर्थन देने के लिए समाजवादी पार्टी की नेता और सांसद डिंपल यादव का तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं।

पंजाब में पुलिस और अपराधियों का है खतरनाक गठबंधन

» कादियान में बवाल पर विपक्ष व कांग्रेस नेता का आप सरकार पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के गुरदासपुर जिले में कादियान म्युनिसिपल काउंसिल के प्रेसिडेंट पद के चुनाव के दौरान विरोधी गुटों के बीच झड़प हो गई। समर्थकों के बीच हुई जुबानी बहस जल्द ही हाथापाई में बदल गई।

मौके पर पहले से ही पुलिस बल मौजूद था, इसलिए जल्द ही स्थिति को काबू में कर लिया गया।

इस घटना के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके समर्थकों के ख़िलाफ़ कार्रवाई की। बाजवा ने कहा, पुलिस ने असल में हमारे तीन लोगों के ख़िलाफ़ एफआईआर दर्ज कराने में मदद की। दो लोगों को पुलिस स्टेशन ले जाया गया है और एक व्यक्ति लापता है। यह विवाद यहाँ से 100 किलोमीटर दूर सेलाबपुर गाँव का है। राज्य में कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर बाजवा ने कहा, ये पेशेवर गुंडे हैं, पूरे पंजाब में सब कुछ गैंग्स के इशारे पर चल रहा है। बाजवा ने आगे कहा, पुलिस ने असल में इन आपराधिक तत्वों की मदद की वे उनके साथ मिले हुए थे।

सीईसी निष्पक्ष काम नहीं कर रहे : टीएमसी सांसद ओब्रायन

» बागी गुट को बार-बार मोहलत देने पर भड़के टीमएसी सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने चुनाव आयोग-ईसी पर ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट के बीच चल रहे विवाद को संभालने में पक्षपात का आरोप लगाया।

टीएमसी सांसद का दावा है कि चुनाव आयोग द्वारा बार-बार समय बढ़ाने के बावजूद बागी गुट ने कोई जवाब नहीं दिया है, जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने तय समय-सीमा का पालन किया है। ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब 026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद के भीतर संगठनात्मक लड़ाई तेज हो गई है और चुनाव आयोग के सामने पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को लेकर विरोधी दावे किए जा रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए ओ ब्रायन ने कहा कि टीएमसी ने तय समय के अंदर चुनाव आयोग को अपना जवाब सौंप दिया था।

ओ ब्रायन ने आरोप लगाया, हमने सिर्फ़ तीन दिन की तय समय-सीमा के अंदर चुनाव आयोग को जवाब दिया। दूसरी ओर, आयोग ने नई गद्दार पार्टीको 23 दिनों के लिए दो बार असाधारण रूप से समय बढ़ाया है, और फिर भी वे जवाब नहीं दे पाए हैं। चुनाव आयोग को बेशर्मी से संघ की शाखा की तरह काम नहीं करना चाहिए। पार्टी के अधिकृत संगठनात्मक ढांचे और हस्ताक्षर करने वालों के बारे में अलग-अलग दावे किए जाने के बाद, चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट और ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट, दोनों से जवाब मांगा था।

यूपी 112 मुख्यालय में राजपत्रित नोडल अधिकारियों का प्रशिक्षण हुआ संपन्न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की आपातकालीन सेवा यूपी-112 को और अधिक मजबूत, आधुनिक और असरदार बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया गया है।

पुलिस महानिदेशक यूपी-112 विनोद कुमार सिंह के निर्देश पर लखनऊ स्थित मुख्यालय में प्रदेश के सभी जिलों के राजपत्रित नोडल अधिकारियों के लिए 4-दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस ट्रेनिंग में प्रत्येक दिन दो ज़ोन के अधिकारियों को तकनीकी और प्रशासनिक बारीकियों की जानकारी दी गई।

महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन बिल लाया जा रहा है: प्रमोद तिवारी

» पीएम को सर्वदलीय बैठक बुलाने के लिए पत्र लिखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने शुक्रवार को कहा कि महिला आरक्षण बिल पर उनकी पार्टी का रुख़ साफ़ है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन बिल लाया जा रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि कांग्रेस परिसीमन बिल का विरोध करेगी और बताया कि पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इस मामले पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया है।

तिवारी ने कहा कि हमने उनसे परिसीमन के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाने को कहा है। पहले भी ऐसा ही पत्र भेजा गया था और अब फिर से भेजा गया है। महिला आरक्षण पर हमारा रुख साफ है। अगर महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन लाया जाता है, तो हम उसका विरोध करेंगे। गुरुवार को राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने

प्रधानमंत्री मोदी से संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 26 के संबंध में सरकार के संशोधित प्रस्तावों पर विचार-विमर्श करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया। विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण और लोकसभा में परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक 17 अप्रैल को निचले सदन में पारित नहीं हो सका। इसे पक्ष में 298 और विपक्ष में 230 मत मिले, जो संविधान के अनुसार आवश्यक दो-तिहाई बहुमत से कम थे। ऐसी अटकलों के बीच कि सरकार 20 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र में विधेयक को फिर से पेश करने का इरादा रखती है, खरगे ने संसद में पेश करने से पहले प्रस्तावित विधेयक की जांच के लिए पर्याप्त समय की आवश्यकता पर जोर दिया।

परिसीमन के मौजूदा बिल का विरोध जारी रहेगा: स्टालिन

» डीएमके ने कहा नया मसौदा देखने के बाद फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। डीएमके ने मौजूदा परिसीमन बिल का विरोध दोहराते हुए कहा कि भविष्य का रुख संशोधित मसौदे पर निर्भर करेगा, जो आबादी और महिला आरक्षण से जुड़ा है। पार्टी ने संसद में कावेरी जल विवाद, मेकेदातु बांध और राज्य स्वायत्तता जैसे प्रमुख मुद्दों को उठाने की रणनीति बनाई है।

लंदन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिए हुई डीएमके सांसदों की बैठक में कई प्रस्ताव पास किए गए। पार्टी अध्यक्ष एमके स्टालिन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक

में तय किया गया कि सांसद संसद के मॉनसून सत्र के दौरान मेकेदातु बांध, कावेरी के पानी पर तमिलनाडु के अधिकार और राज्य की स्वायत्तता से जुड़े मुद्दों को ज़ोर-शोर से उठाएंगे। सूत्रों के अनुसार, यह तय किया गया कि पार्टी परिसीमन बिल का उसके मौजूदा रूप में विरोध जारी रखेगी—जो आबादी पर आधारित है और महिलाओं के आरक्षण से जुड़ा है। पार्टी नए बिल का इंतज़ार करेगी और उसमें दी गई सिफारिशों के आधार पर आगे का फ़ैसला लेगी। बैठक में पास किए गए पहले प्रस्ताव में कर्नाटक सरकार पर कावेरी नदी के पानी में तमिलनाडु का हिस्सा जारी करने से इनकार करने का आरोप लगाया गया। इस इनकार की वजह से मेट्टूर बांध खोलने में देरी हुई, जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा। डीएमके ने कावेरी नदी पर प्रस्तावित मेकेदातु बांध के खिलाफ़ अपना विरोध फिर से जताया और मांग की कि केंद्र सरकार इस विवाद को सुलझाने के लिए एक ट्रिब्यूनल बनाए।

2027 के यूपी विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में सियासी पारा चढ़ा

भाजपा के विवादित पोस्टर पर सपा ने किया प्रहार

- राज्य के जिलों में सपा कार्यकर्ताओं ने उतारे बैनर-पोस्टर
- कांग्रेस से सपा के गठबंधन पर भी वार-पलटवार
- उदयवीर के बयान पर इमराम मसूद ने दिया जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में सियासी पारा चढ़ने लगा है। जहां चंदा चोरी की वजह से चारों ओर विपक्ष निशाने पर आई भाजपा फिर हिंदु-मुसलमान का कार्ड खेल रही है। तो सपा इस मुद्दे को किसी भी कीमत पर छोड़ना नहीं चाहती। सीएम योगी हर मंच से सपा को घेर रहें हैं। बीजेपी जगह-जगह विवादित पोस्टर लगाकर सपा पर निशाना साध रही है। पोस्टर वार में सपा पुलिस की चौखट पर तो पहुंच ही रही है वह पोस्टरों को जगह-जगह जला रही रही है। इस बी यूपी कांग्रेस व सपा के गठबंधन में कड़वाहट की भी आहट सुनाई दे रही है।

वहीं इरान मसूद के नए हमले ने 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के इंडिया गठबंधन में गहरी दरार पैदा कर दी है। मसूद ने आरोप लगाया कि सपा को गठबंधन की ज्यादा जरूरत है और वह प्रभावशाली मुस्लिम नेताओं को बर्दाश्त नहीं करती, जिससे दोनों दलों के बीच का तनाव सतह पर आ गया है। यह विवाद गठबंधन के भविष्य और आगामी सीट बंटवारे की चुनौतियों को दर्शाता है। मसूद की ये बातें उन सार्वजनिक बयानों के सिलसिले की एक और कड़ी हैं, जिनसे दोनों विपक्षी पार्टियों के बीच बढ़ती बेचैनी सामने आई है, क्योंकि वे 27 के उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए खुद को तैयार कर रही हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष राज कुमार सिंह पटेल के इस सुझाव के बाद तनाव और बढ़ गया था कि विधानसभा चुनावों के लिए सपा के साथ किसी भी गठबंधन में कांग्रेस सीटों में बराबर हिस्सेदारी की मांग करेगी।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की वजह से मिली जीत

अतीत में सपा से जुड़े प्रमुख मुस्लिम नेताओं का जिक्र करते हुए मसूद ने आगे कहा कि उनकी पार्टी में किसका नुकसान हुआ? मुख्तार, अतीक अहमद और आज़म खान का। उन्हें ही दोषी नहीं ठहराया जाता। कांग्रेस नेता ने इस बात को भी खारिज कर दिया कि उनकी चुनावी जीत सपा के साथ गठबंधन पर निर्भर थी। उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की वजह से अपनी सीट जीता हूं। चुनाव के दौरान मैंने समाजवादी पार्टी के लिए एक भी रैली नहीं की, जबकि हमारा गठबंधन था।

कांग्रेस के बजाय समाजवादी पार्टी को गठबंधन की ज़्यादा जरूरत : इमरान

उदयवीर सिंह की टिप्पणियों का जवाब देते हुए मसूद ने दावा किया कि कांग्रेस के बजाय समाजवादी पार्टी को गठबंधन की ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ही गठबंधन के लिए जोर दे रही है और गठबंधन की वजह से ही आप 24 में 37 सीटें जीत पाए, वरना 22 में तो आप 120 सीटों का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए थे। सपा पर और भी कड़ा हमला करते हुए मसूद ने आरोप लगाया कि पार्टी प्रभावशाली मुस्लिम नेताओं का समर्थन करने में लगातार नाकाम रही है। उन्होंने

कहा कि समाजवादी पार्टी किसी मुस्लिम नेता या अपनी बात रखने वाले नेता को बर्दाश्त नहीं कर सकती, और ऐसा नेता अब कांग्रेस में है।

सपा व कांग्रेस में तीखी बयानबाजी

2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के रिश्तों में नई दरारें आ गई हैं। इंडिया गठबंधन के इन दोनों सहयोगियों के बीच तीखी बयानबाजी के बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इमरान मसूद ने सपा नेता उदयवीर सिंह पर कड़ा हमला किया है। मसूद का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दोनों पार्टियां अपनी-अपनी राजनीतिक ताकत और गठबंधन के भविष्य को लेकर सार्वजनिक रूप से बहस कर रही हैं। इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या 2024 के लोकसभा चुनावों में फायदा दिलाने वाली यह साझेदारी अगले विधानसभा चुनावों तक कायम रहेगी या नहीं।

बाराबंकी में पोस्टर पर विफरी सपा के कार्यकर्ता

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में सपा के संस्थापक स्व. मुलायम सिंह यादव और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को लेकर लगाए गए पोस्टर पर बवाल मच गया। पोस्टर सामने आने के बाद सपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने कड़ा विरोध जताते हुए दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस तरह के विवदित पोस्टर पर बाराबंकी जिले में ज्यादा आक्रोश देखने को मिला है। मामले की संवेदनशीलता देखते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच का आश्वासन दिया है। जिसके बाद कार्यकर्ता शांत हुए। बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए कोतवाली पहुंचे थे। जबकि के प्रदेश के कई जिलों में सपा नेताओं ने पोस्टर जला दिए थे।

माहौल खराब करना चाहतें हैं असामाजिक तत्व : हाफिज अयाज अहमद

माजवादी पार्टी के बाराबंकी जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद की अध्यक्षता में सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नगर कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर सौंपी। उन्होंने आरोप लगाया कि अज्ञात असामाजिक तत्वों ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को बदनाम करने और समाज में नफरत फैलाने की नीयत से जनपद के विभिन्न स्थानों पर आपत्तिजनक होर्डिंग और पोस्टर लगाए हैं। हाफिज अयाज अहमद ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के खिलाफ विवादित पोस्टर लगाकर जानबूझकर सामाजिक और राजनीतिक माहौल खराब करने का प्रयास किया गया है। इससे पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता आक्रोशित है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी इस प्रकार की हरकत किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होने पर ही कार्यकर्ताओं का रोष शांत होगा।

पुलिस ने शुरू की जांच

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े व्यक्तियों और उनके परिवार के प्रति इस तरह की अभद्र टिप्पणी पूरी तरह अस्वीकार्य है। ऐसे कृत्य सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों के भी विपरीत हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि पोस्टर लगाने वाले अज्ञात लोगों की जल्द पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इस घटना को लेकर सपा समर्थकों में भी नाराजगी देखी जा रही है। वहीं, पुलिस ने प्राप्त तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चाओं का दौर जारी है।

सूचना विभाग का दुरुपयोग कर रही भाजपा : आनंद भदौरिया

धौरहरा सांसद आनंद भदौरिया ने घटना को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए कहा कि यह कायराना कृत्य है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार के इशारे पर उत्तर प्रदेश सूचना विभाग की पहचान और प्रारूप का दुरुपयोग

कर राजनीतिक विरोधियों को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी तंत्र का इस्तेमाल राजनीतिक प्रचार के लिए नहीं होना चाहिए।

सपा के नेताओं के खिलाफ अमर्यादित होर्डिंग पर बवाल

एक बार फिर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को निशाना बनाते हुए लगाए गए होर्डिंग को लेकर राजनीतिक माहौल गरमाया। सूचना मिलते ही धौरहरा से सपा सांसद आनंद भदौरिया समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों की मदद से होर्डिंग उतरवाकर उसे जलवा दिया। सपा नेताओं ने इसे पार्टी की छवि धूमिल करने की साजिश बताते हुए प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। शहर से बाहर लगाए गए होर्डिंग पर बड़े अक्षरों में दिल में बाबर, मुंह में राम लिखा गया था।

इसके साथ समाजवादी पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं के हवाले से कथित बयानों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया था। होर्डिंग की जानकारी मिलते ही सपा कार्यकर्ताओ ने मौके पर पहुंच कर विरोध जताया। गौरतलब है कि करीब 22 दिन पहले भी इसी स्थान पर अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी के खिलाफ पोस्टर और बैनर लगाए गए थे। उस समय भी सांसद आनंद भदौरिया ने मौके पर पहुंचकर बैनर हटवाए थे और पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल से शिकायत की थी। हालांकि अब तक पोस्टर लगाने वालों की पहचान सार्वजनिक नहीं हो सकी है। मंगलवार को दोबारा होर्डिंग लगाए जाने से सपा नेताओं में नाराजगी दिखी। सांसद आनंद भदौरिया ने कहा कि यदि पहले मामले में प्रभावी कार्रवाई हुई होती तो ऐसी पुनरावृत्ति नहीं होती। सपा सांसद का मानना है कि ये कायराना कृत्य भाजपा सरकार के इशारे पर उत्तर प्रदेश का सूचना विभाग कर रहा है। सांसद आनंद भदौरिया ने बताया कि करीब 22 दिन पहले भी शहर में समाजवादी पार्टी और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ अमर्यादित पोस्टर और बैनर लगाए गए थे। मामले को लेकर उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर दोषियों की पहचान और कार्रवाई की मांग की थी। बावजूद इसके अब तक कोई खुलासा नहीं हो सका। दोबारा होर्डिंग लगाए जाने के बाद सपा नेताओं में गहरी नाराजगी है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आम आदमी को कब मिलेगी मौसम की मार से राहत

भीषण गर्मी की जगह मानसून ने ले ली है। मौसम बदल गया है। लेकिन एक चीज अब भी नहीं बदली वह है आम लोगों का जीवन। पहले गर्मी की वजह से लोग बीमार हो मर रहे थे अब बारिश की वजह से जान गंवा रहे हैं। सबसे ज्यादा हालात तो राजस्थान व गुजरात राज्यों में है। वंहा प्रसूताओं की मौत हो रही है। बाद सरकार है कि अपने ही तर्क गढ़ रही है। सवाल यही है कि आम आदमी को कब मिलेगी मौसम की मार से राहत। पहले कहा गया कि भीषण गर्मी हालात बिगाड़ रही है। अब कहा जा रहा है कि मौतें एनीमिया, हाई ब्लड प्रेशर, रक्तस्राव, लीवर, किडनी और कुपोषण जैसी जटिलताओं से हुईं। मौत के बचाव में दलीलें बदल गईं, लेकिन मौतें नहीं रुकीं। ऐसे में सवाल यह नहीं कि कारण क्या है। सवाल यह है कि इलाज कहां है और उपचार किसका होना चाहिए! राजस्थान कभी अपने स्वास्थ्य कार्यक्रमों में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता था। ऐसा नहीं कि ये हाल सिर्फ मरूप्रदेश का है कमोवेश देश के हर राज्य में ऐसा हो रहा है।

बस राजस्थान प्रसूताओं की मौतों के कारण राष्ट्रीय सुर्खियों में बना हुआ है। यह केवल कुछ अस्पतालों की विफलता नहीं, पूरे स्वास्थ्य प्रशासन की गिरती साख का नतीजा है। दुर्भाग्य यह है कि हर मौत के बाद व्यवस्था आत्ममंथन नहीं करती, स्पष्टीकरण देती है। अगर एनीमिया मौत का कारण है, तो उसका उपचार समय पर क्यों नहीं हुआ? अगर हाई ब्लड प्रेशर जानलेवा था, तो जोखिम वाली गर्भवतियों की निगरानी कहां है? अगर अत्यधिक रक्तस्राव सबसे बड़ा खतरा था, तो हर डिलीवरी सेंटर उसकी आपात तैयारी से लैस क्यों नहीं है? अगर कुपोषण वर्षों से चुनौती है, तो उस पर खर्च हुए करोड़ों रुपए का असर सबसे कमजोर महिलाओं तक क्यों नहीं पहुंचा? अस्पताल इसलिए नहीं बनाए जाते कि वे मृत्यु के बाद बीमारी का नाम लिख दें। अस्पताल इसलिए होते हैं कि बीमारी मौत तक न पहुंचे। विडंबना देखिए। सरकार खुद स्वीकार करती है कि प्रदेश की आधे से अधिक गर्भवती एनीमिया से पीड़ित हैं। इसी खतरे से निपटने के लिए फेरिक कार्बोक्सी माल्टोज (एफसीएम) इंजेक्शन शुरू किया गया। इसे मातृ मृत्यु रोकने का प्रभावी हथियार बताया गया। लेकिन पिछले पांच महीनों से यही इंजेक्शन सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध नहीं है। जो परिवार हजारों रुपए खर्च कर सकता है, वह बाजार से खरीद लेता है। जो नहीं खरीद सकता, उसके घर की प्रसूता की मृत्यु का कारण फाइल में लिख दिया जाता है-एनीमिया। वैसे, यह विषय केवल एक इंजेक्शन का नहीं है।

“ सवाल यही है कि आम आदमी को कब मिलेगी मौसम की मार से राहत। पहले कहा गया कि भीषण गर्मी हालात बिगाड़ रही है। अब कहा जा रहा है कि मौतें एनीमिया, हाई ब्लड प्रेशर, रक्तस्राव, लीवर, किडनी और कुपोषण जैसी जटिलताओं से हुईं। मौत के बचाव में दलीलें बदल गईं, लेकिन मौतें नहीं रुकीं। ऐसे में सवाल यह नहीं कि कारण क्या है। सवाल यह है कि इलाज कहां है और उपचार किसका होना चाहिए!

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आंतरिक संरचना की मजबूती से सुधरेगी आर्थिकी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में अमेरिका से सैन्य टकराव के बाद ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट के बंद किए जाने से कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं और बाजार जोखिमें भी बढ़ गई हैं। इससे एक बार फिर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर बढ़ने लगा है। एशियाई विकास बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशियाई संकट और लॉजिस्टिक कीमतों में बढ़ोतरी का भारत की विकास दर पर प्रतिकूल असर होगा। ऐसे में एडीबी ने भारत के लिए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूर्व निर्धारित 6.9 प्रतिशत विकास दर को घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसी तरह आईएमएफ ने अपनी रिपोर्ट में भारत की विकास दर का अनुमान घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है।

आईएमएफ का मानना है कि ऊर्जा की ऊंची कीमतें भारत में आर्थिक चुनौतियां बढ़ा सकती हैं। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 7.7 प्रतिशत की शानदार दर से वृद्धि दर्ज की थी, जो कि 2024-25 की 7.1 प्रतिशत की दर से काफी बेहतर थी। नि:संदेह इस समय वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घरेलू आर्थिक मुश्किलों के बीच अर्थव्यवस्था को गतिशील रखना और विकास दर बढ़ाना चुनौती है। इस चक्रव्यूह से निकलने के लिए सरकार को 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' के मंत्र को और अधिक आक्रामक ढंग से उपयोग में लाना होगा। वैश्विक झटके और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारत को अपनी समष्टि-आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए अपनी रणनीतियों में बदलाव करना होगा। तेल की वैश्विक कीमतों में उछाल के कारण भारतीय रिजर्व बैंक के सामने असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। केंद्रीय बैंक को अब महंगाई को नियंत्रण में रखने के साथ-साथ विकास की गति को थमने से बचाना होगा। ऐसे में आर्थिक गतिविधियों को सहारा देने के लिए सरकार को अपने पूंजीगत व्यय को लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कारगर बनाना होगा। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं—जैसे रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, नए बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में निवेश को प्राथमिकता देनी होगी।

बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश बढ़ने से इस्पात, सीमेंट और निर्माण जैसे मुख्य क्षेत्रों में मांग बनी रहती है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नए रोजगार पैदा होते हैं और अर्थव्यवस्था का चक्र घूमता रहता है। वैश्विक आपूर्ति शृंखला में नए सिरे से व्यवधान आने की आशंका को देखते हुए भारत को घरेलू विनिर्माण पर अपनी

निर्भरता बढ़ानी होगी। उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का दायरा बढ़ाकर उन क्षेत्रों को शामिल करना चाहिए जो आयात पर अत्यधिक निर्भर हैं। अब बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के बीच मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को भी ढाल बनाना होगा। अप्रैल-मई 2026 में भारत का निर्यात पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले लगभग 15 प्रतिशत बढ़ा है। वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में भारत द्वारा तेजी से बढ़ाए जा रहे 'मुक्त व्यापार समझौते' नए बाजार खोलने में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले साबित हो सकते हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, भारत आगामी 10 महीनों में 9 नए व्यापार समझौतों को धरातल पर उतारने की तैयारी में है। 1 जून, 2026 से भारत और ओमान के बीच वृहद आर्थिक एवं साझेदारी समझौता पूरी तरह लागू हो चुका है। इससे ओमान में भारत के 99 प्रतिशत से अधिक उत्पादों को शुल्क मुक्त प्रवेश मिल रहा है। ब्रिटेन के साथ बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते का क्रियान्वयन इसी माह 15 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। यह भारतीय कपड़ा, फार्मा और विनिर्माण क्षेत्र के लिए बड़ा संवर्धक साबित होगा। इसके साथ ही न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ के साथ एफटीए शीघ्र कार्यान्वित होगा। अमेरिका के साथ भी वार्ता अंतिम दौर में है। मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के साथ समझौतों के लाभ जमीन पर दिखने लगे हैं। इसके अलावा कनाडा, इस्राइल, रूस और पेरू जैसी अर्थव्यवस्थाओं के साथ भी व्यापार वार्ताओं में तेजी लाई गई है। निश्चित रूप से बाहरी झटकों से निपटने के लिए भारत ने अपनी आंतरिक संरचना को पहले से मजबूत किया है।

देशभर में जमीनी स्तर पर चार नई श्रम संहिताओं के तहत लागू हुए नए सरल श्रम कानून विनिर्माण क्षेत्र में 'व्यापार सुगमता' को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। इनसे न केवल विदेशी निवेश आकर्षित हो रहा है, बल्कि वैश्विक कंपनियों के लिए भारत में काम करना आसान हुआ है। यदि सरकार इस वर्ष के बजट में विनिवेश के लिए निर्धारित 80 हजार करोड़ रुपये के लक्ष्य को समय पर प्राप्त कर लेती है, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के नियमों को और अधिक उदार बनाती है तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाती है, तो भारत की आर्थिक गतिशीलता को बचाया जा सकेगा।

चीनी मठ मंदिरों पर भी हेराफेरी की कालिख

पुष्परंजन

ब्रूस ली की फिल्म 'एंटर द ड्रैगन' में शाओलिन मंदिर के शुरुआती दृश्यों की शूटिंग चीन में नहीं, बल्कि हांगकांग के थुएन मुन स्थित चिंग चुंग कून और कैसल पीक मठ में हुई थी। लेकिन, तब शाओलिन टैम्पल का अक्स दिलो-दिमाग में बैठा हुआ था। उसे देखना एक सपना था, जो 2019 में पेइचिंग कुछ हफ्ते ठहरने पर साकार हुआ। पेइचिंग से शाओलिन मंदिर की दूरी लगभग 773 किलोमीटर है। झेंगझोऊ तक बुलेट ट्रेन, फिर मंदिर तक जाने के लिए टैक्सी की जरूरत पड़ गई। इस जगह को 'मार्शल आर्ट का मक्का' मानिये। शाओलिन मंदिर चीन के हेनान प्रांत स्थित प्रसिद्ध बौद्ध मठ है। इसे 495 ईस्वी में बनाया गया था। यह जेन बौद्ध धर्म का जन्मस्थान और मार्शल आर्ट (कुंग फू) का उद्गम स्थल है।

सात साल पहले शाओलिन टैम्पल की दरो-दीवार को देखकर लगा नहीं था, कि यह भ्रष्टाचार का भी अड्डा रहा है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, डेढ़ महीना पहले दुनियाभर में मशहूर शाओलिन मंदिर के पूर्व प्रमुख शी योंगशिन को गबन और रिश्वत लेने जैसे अपराधों के लिए 24 साल जेल की सजा सुनाई गई है। शी पर 35 लाख युआन का जुर्माना भी लगाया गया। चीन के मध्य हेनान प्रांत की शिनक्सियांग इंटरमीडिएट पीपल्स कोर्ट ने पाया कि शी (जिनका असली नाम लियू यिंगचेंग है) ने 2003 और 2025 के बीच 131 मिलियन युआन से ज़्यादा का गबन किया था। कई दशकों तक, शी ने शाओलिन मंदिर के प्रमुख और शाओलिन चैरिटी एंड वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष के तौर पर काम किया। जांच में पाया गया कि उन्होंने 2012 और 2022 के बीच 151 मिलियन युआन अपने निजी इस्तेमाल के लिए लिए थे, और 2006 से मंदिर के निर्माण और उससे जुड़े कामकाज के कॉन्ट्रैक्ट दिलाने में मदद करने के बदले कुल 11.63 मिलियन युआन की रिश्वत ली थी।

कोर्ट की घोषणा के अनुसार, शी पर 1995 और 2022 के बीच 'गलत फ़ायदे' पाने के लिए अधिकारियों को 5.67 मिलियन युआन से ज्यादा की रिश्वत देने का भी आरोप है। चीन के मशहूर बौद्ध मठ शाओलिन मंदिर के प्रमुख के खिलाफ आपराधिक जांच में कहा गया है कि उनके कामों में गबन, फंड का गलत इस्तेमाल, रिश्वत लेना और देना जैसे संगीन अपराध शामिल थे, और इन सभी में 'बहुत बड़ी रकम' शामिल थी। शी पर आरोप था कि उन्होंने 'कई महिलाओं के साथ लंबे समय तक गलत संबंध बनाए, और नाजायज बच्चों के पिता बने।' पिछले साल जुलाई में सरकार की संयुक्त जांच के बाद उन्हें वाइस-चेयरपर्सन पद से हटा दिया गया था। उसी महीने, चीन के बौद्ध संघ ने शी योंगशिन की बौद्ध मान्यता रद्द कर दी, और उन पर 'बौद्ध समुदाय की प्रतिष्ठा और भिक्षुओं की छवि को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाने' का आरोप लगाया। उनसे जुड़ी कंपनियों का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया गया। जांच के बाद, स्थानीय अधिकारियों ने नवंबर, 2025 में कई आपराधिक आरोपों में उनकी गिरफ्तारी को मंजूरी देने की घोषणा की। शी ने अपना अपराध माना, और पछतावा व्यक्तकिया। 29 मई, 2026 को कोर्ट ने यह भी जानकारी दी, कि शी ने कोई अपील नहीं की। चीन में 1960 और 1970 के दशक की सांस्कृतिक क्रांति में अनगिनत धार्मिक जगहें तबाह हो गईं। मठों से उनकी संपत्ति छीन ली गई थी।

लेकिन, जैसे ही 1980 के दशक में चीन में आर्थिक सुधार और खुलेपन का दौर शुरू हुआ, मंदिर फिर से चलन में आ गए. कई लोग अपना गुजारा करने के लिए टैम्पल टूरिज्म की तरफ मुड़ गए। हालांकि, चीनी सरकार धार्मिक मान्यताओं की आजादी का समर्थन करती है, और 1.3 अरब से ज़्यादा लोगों को अपनी धार्मिक मान्यताएं चुनने का अधिकार है। खासकर आधुनिक चीनी समाज में राजनीतिक दमन खत्म होने के बाद, लंबे समय से दबी हुई धार्मिक मान्यताएं सामने आईं। 'वर्ल्ड वैल्यूज सर्वे-2007' से पता चलता है कि 11 प्रतिशत चीनी लोगों की धार्मिक मान्यताएं हैं। 2003 से 2010 के बीच इनकी आबादी 120 फीसद बढ़ी है। इस समय में जिन बड़े मठाधीशों को निजी रूप से फ़ायदा हुआ, उनमें शी सबसे बड़े थे। शी योंगशिन 1981 में 16 साल की उम्र में हेनान प्रांत के शाओलिन मंदिर में शामिल हुए थे। उस समय, मंदिर खंडहर बन चुका था। लेकिन, जैसे-जैसे शी मठाधीश के पद पर पहुंचे, उन्होंने प्रार्थना हॉल फिर से खोलने और टूरिस्ट को टिकट बेचने के लिए लोकल अधिकारियों से बातचीत की। जल्द ही, लाखों लोग आने लगे, जिसमें लोकल सरकार 70 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

तब शाओलिन-ब्रांडेड सामान बेचने वाली गिफ्ट शॉप भी खुल गईं, और शाओलिन इंक का जन्म हुआ। वर्ष 2006 में, डेंगफेंग शहर की सरकार ने शाओलिन मंदिर के लिए 100,000 डॉलर का निवेश किया। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने 2015 में बताया था शी को 'सीईओ भिक्षु' के तौर पर जाना जाता था; कुंग-फू शो और सामान को बढ़ावा देने के लिए कमर्शियल गतिविधियां शुरू करने की वजह से उनकी आलोचना भी हुई थी। सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2002 में शी को बुद्धिस्ट एसोसिएशन ऑफ चाइना का वाइस-चेयरपर्सन चुना गया था। गिरफ्तार होने से पहले, शी योंगक्सिन ने विदेशों में दर्जनों कंपनियां बनाईं, और ऑस्ट्रेलिया में 300 मिलियन डॉलर के लक्जरी होटल और गोल्फ़ कोर्स कॉम्प्लेक्स के लिए फ़ंड जुटाने की कोशिश की। चीन में लगभग 33,500 पंजीकृत बौद्ध और 9,000 ताओ मंदिर हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार कुल धार्मिक स्थलों की संख्या लगभग 144,000 है।

पके केले से बनाएं ये टेस्टी डिशेश

बॉडी में अगर कभी भी एनर्जी की कमी महसूस हो तो बनाना खाना चाहिए। केले को एनर्जी का पावर हाउस कहा जाता है। गर्मियों में अक्सर घर में रखे केले जल्दी पक जाते हैं और कई बार इतने ज्यादा नरम हो जाते हैं कि उन्हें खाने का मन नहीं करता। ऐसे में ज्यादातर लोग इन केलों को फेंक देते हैं, लेकिन ज्यादा पके केला आपके लिए बेहद स्वादिष्ट और हेल्दी डिश बनाने का बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं? पके हुए केले में प्राकृतिक मिठास भरपूर होती है, जिससे आप बिना ज्यादा चीनी डाले कई टेस्टी रेसिपीज बना सकते हैं। खासकर गर्मियों में ठंडी और रिफ्रेशिंग डिशेज बनाने के लिए ये परफेक्ट होते हैं। साथ ही, यह फूड वेस्टेज को कम करने का एक स्मार्ट तरीका भी है। तो आप भी ज्यादा पके केले से कुछ आसान और झटपट बनने वाली रेसिपीज बनाएं जो स्वाद में लाजवाब हैं। जिन्हें खाकर बच्चे और बड़े दोनों खुश हो जाएंगे।

बनाना पैनकेक

अनेकों गुणों से युक्त केला का सेवन हमारे स्वास्थ्य को कई लाभ पहुंचाता है। केले में शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की प्रचुर मात्रा पाई जाती है। फल डाले हुए सभी पैनकेक में, बनाना पैनकेक बहुत ही प्रचलित हैं और पसंद किये जाते हैं। सामान्य पैनकेक के मिश्रण(घोल) में मिलाया हुआ मसला हुआ केला इसे और भी स्वादिष्ट बनाता हैं। इस रेसिपी में रेडीमेड पैनकेक के मिश्रण का उपयोग नहीं किया है बल्कि पैनकेक का घोल घर पर कैसे बनाते है वो बताया गया हैं। अगर हेल्दी ब्रेकफास्ट चाहिए तो केले से पैनकेक बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए मैश किए हुए केले में आटा मिलाकर चिकना और गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इसे तवे पर फैलाएं और हल्का सेंक लें। यह रेसिपी बच्चों के लंच बॉक्स के लिए परफेक्ट है। केले के सेवन से स्ट्रोक का खतरा कम होता है। हड्डियों को मजबूती देता है। फाइबर की अच्छी मात्रा डायबिटीज में फायदेमंद होता है।

बनाना केक

केले की सॉफ्ट और टेस्टी रेसिपी है बनाना केक। ज्यादा पके केले से केक ज्यादा सॉफ्ट बनता है। इसमें अलग से ज्यादा चीनी की जरूरत नहीं पड़ती। साधारण केक की तरह ही बनाना केक भी बनाया जाता है।

बनाना स्मूदी

गर्मियों के लिए बनाना स्मूटी एक हेल्दी ड्रिंक है। इसे तैयार करने के लिए केले में दही और ड्राई फ्रूट्स मिलाकर सर्व करें। ये ठंडा और पौष्टिक पेय है। बनाना कोकोनट स्मूदी बनाने के लिए, एक ब्लेंडर लें और उसमें 1 केला, दही, वेनिला एसेंस, कद्दूकस किया हुआ नारियल डालें और उसे ब्लेंड कर गाढ़ा चिकना मिश्रण बना लें। अब इसमें कुछ आइस क्यूब्स डालकर 2 बार ब्लेंड करें। ऐसा करने पेर गाढ़ा क्रीमी मिश्रण बन जाए। अब इसे ग्लास में डालें और ठंडा-ठंडा सर्व करें।

बनाना आइसक्रीम

केले से आप आइसक्रीम बना सकते हैं, वो भी बिना मशीन के। गर्मियों के लिए ठंडी आइसक्रीम तैयार करने के लिए सबसे पहले दूध, कंडेन्स्ड मिल्क, केला, चीनी और केसर को एक साथ मिक्सर में पीस लें। अब केले के मिश्रण के साथ मलाई (क्रीम), इलायची और केसर मिलाकर इसे फिर से ग्राइंड करें। इसके बाद केले के मिश्रण में ड्राई फ्रूट्स मिक्स कर आइसक्रीम के सांचे में या छोटी कटोरियों में डालें। अब सांचे या कटोरियों को एल्मोनियम फोइल से ढककर जमाने के लिए फ्रीजर में रखें। इसके जमने के बाद फ्रीजर से निकालकर प्लेट्स या कटोरियों में सर्व करें।

बनाना शेक

वैसे तो दिन में किसी भी वक्त बनाना मिल्क शेक पिया जा सकता है लेकिन अगर दिन की शुरुआत इस हेल्दी एनर्जी ड्रिंक के साथ की जाए तो दिनभर तरो-ताजा महसूस होता है। केले से तैयार होने वाला शेक ना सिर्फ हेल्दी होता है, बल्कि ये स्वाद में भी काफी लाजवाब होता है। बनाना मिल्क शेक बनाने के लिए केले के साथ ही दूध और ड्राई फ्रूट्स का भी इस्तेमाल किया जाता है। ये तीनों चीजें मिलकर शरीर को ऊर्जा और पोषण से भर देती है। इस रेसिपी की खासियत ये भी है कि इसे बनाने में ज्यादा वक्त नहीं लगता है और ये मिनटों में बनकर तैयार हो जाती है। बढ़ती उम्र के बच्चों के लिए तो खास तौर पर बनाना मिल्क तैयार किया जा सकता है। बनाना शेक में हेल्दी फैट्स पाए जाते हैं, जो दिनभर आपके पेट को भरा रखने में मदद करते हैं। इसकी मदद से आप अनहेल्दी खाना खाने से बच सकते हैं। अगर आपको क्रेविंग हो, तो आप बनाना शेक पी सकते हैं। इससे आप आसानी से वजन कम करने के साथ हेल्दी भी रह सकते हैं।

हंसना मना है

एक भिखारी को 100 का नोट मिला, वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया, 1500 रुपये का बिल आया, उसने मेनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है, मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया, भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया, इसे कहते हैं. फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट विदाउट एमबीए इन इंडिया।

टीचर: इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू: बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर: पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू: इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..!!

पिता: पढ़ ले नालायक, कभी तूने अपनी कोई बुक खोलकर भी देखी है। बेटा: हां पापा देखी है, बल्कि रोज देखता हूं उसे। पिता: कौन सी बुक पढ़ने लगा है तू? बेटा: फेसबुक।

पत्नी: सुनो मेरे मुंह में मच्छर चला गया अब क्या करूं? पति: पगली ऑल आउट पी ले। छह सेकंड में काम शुरू।

एक गांव में किसी बुजुर्ग के मर जाने से स्कूल में छुट्टी हो गयी, स्कूल से आते वक्त बच्चों ने 2 बुजुर्गो को देखा तो एक बोला, देखो, दो छुट्टी आ रही है?

कहानी — फर्क नजरिये का..

एक गांव में कुछ मजदूर पत्थर के खंभे बना रहे थे। उधर से एक साधु गुजरे। उन्होंने एक मजदूर से पूछा- यहां क्या बन रहा है? उसने कहा- देखते नहीं पत्थर काट रहा हूं? साधु ने कहा- हां, देख तो रहा हूं। लेकिन यहां बनेगा क्या? मजदूर झुंझला कर बोला- मालूम नहीं। यहां पत्थर तोड़ते - तोड़ते जान निकल रही है और इनको यह चिंता है कि यहां क्या बनेगा। साधु आगे बढ़े। एक दूसरा मजदूर मिला। साधु ने पूछा- यहां क्या बनेगा? मजदूर बोला- देखिए साधु बाबा, यहां कुछ भी बने। चाहे मंदिर बने या जेल, मुझे क्या। मुझे तो दिन भर की मजदूरी के रूप में 100 रुपए मिलते हैं। बस शाम को रुपए मिलें और मेरा काम बने। मुझे इससे कोई मतलब नहीं कि यहां क्या बन रहा है। साधु आगे बढ़े तो तीसरा मजदूर मिला। साधु ने उससे पूछा- यहां क्या बनेगा? मजदूर ने कहा- मंदिर। इस गांव में कोई बड़ा मंदिर नहीं था। इस गांव के लोगों को दूसरे गांव में उत्सव मनाने जाना पड़ता था। मैं भी इसी गांव का हूं। ये सारे मजदूर इसी गांव के हैं। मैं एक-एक छेनी चला कर जब पत्थरों को गढ़ता हूं तो छेनी की आवाज में मुझे मधुर संगीत सुनाई पड़ता है। मैं आनंद में हूं। कुछ दिनों बाद यह मंदिर बन कर तैयार हो जाएगा और यहां धूमधाम से पूजा होगी। मेला लगेगा। कीर्तन होगा। मैं यही सोच कर मस्त रहता हूं। मेरे लिए यह काम, काम नहीं है। मैं हमेशा एक मस्ती में रहता हूं। मंदिर बनाने की मस्ती में। मैं रात को सोता हूं तो मंदिर की कल्पना के साथ और सुबह जगता हूं तो मंदिर के खंभों को तराशने के लिए चल पड़ता हूं। बीच - बीच में जब ज्यादा मस्ती आती है तो भजन गाने लगता हूं। जीवन में इससे ज्यादा काम करने का आनंद कभी नहीं आया। साधु ने कहा- यही जीवन का रहस्य है मेरे भाई। बस नजरिये का फर्क है। कोई काम को बोझ समझ कर कर रहा है और पूरा जीवन झुंझलाते और हाय - हाय करते बीता रहा है। लेकिन कोई काम को आनंद समझ कर जीवन का लुत्फ ले रहा है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृषभ — पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा।

मिथुन — दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

कर्क — भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी।

सिंह — नौकरी में चैन महसूस होगा। घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या — यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी।

तुला — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें।

वृश्चिक — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

धनु — नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

मकर — किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

कुम्भ — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे।

मीन — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे।

'हैवान' का फर्स्ट लुक जारी 11 सितंबर को होगी रिलीज

बॉलीवुड | मसाला

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी सालों बाद एक बार फिर बड़े पर्दे पर तहलका मचाने की तैयारी कर रही है। दरअसल ये दोनों स्टार्स प्रियदर्शन की अपकमिंग फिल्म हैवान में नजर आएंगे। इस फिल्म की अनाउंसेंट के बाद से ही फैंस इसे लेकर बेहद एक्साइटेड हैं। वहीं मेकर्स ने बीते दिन हैवान का फर्स्ट लुक जारी कर दिया और अक्षय कुमार और सैफ अली खान का लुक भी रिवील कर दिया गया है। इसी के साथ फिल्म की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी गई है।

बता दें कि अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म के फर्स्ट लुक का पोस्टर शेयर किया है। पोस्टर में अक्षय ने बीनी (टोपी) पहनी हुई है और उनकी आंखें ढकी हुई हैं। पोस्टर पर लिखा है, बदला सब कुछ देखता है। दूसरे पोस्टर में सैफ सीधे कैमरे की ओर देख रहे हैं और उस पर लिखा है। हर इंद्रिय एक हथियार है। दोनों पोस्टर उनके किरदारों के बारे में हिंट दे रहे हैं। रेड कलर के पोस्टर में अक्षय खतरनाक अंदाज में मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं, जबकि बैकग्राउंड में कब्रिस्तान में कोई जल रहा है। वहीं, सैफ के पीले रंग के पोस्टर में वे पूरी तरह फोकस में दिख रहे हैं। दोनों का एक साथ वाला पोस्टर भी है जिसमें एक बच्चा टेडी बियर पकड़े हुए है, जो शायद कहानी का अहम हिस्सा है।

इन पोस्टर्स को शेयर करते हुए अक्षय ने कैप्शन में फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस की है। कैप्शन में लिखा है, सब कुछ दिखता है, कुछ भी छूटता नहीं, हैवानियत अब नहीं रुकेगी! हैवान 11 सितंबर को सिनेमाघरों में आ रही है! हैवान के डायरेक्टर प्रियदर्शन हैं और इसे केवीएन प्रोडक्शंस और थेस्पियन फिल्म्स के बैनर तले वेंकट के। नारायण और शैलजा देसाई फेन ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। सैफ और अक्षय स्टारर इस फिल्म में बोमन ईरानी, सैयामी खेर और श्रिया पिलगांवकर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होगी 'वेलकम टू द जंगल'

बॉलीवुड | गपशप

वेलकम टू द जंगल में अक्षय कुमार लीड रोल में दिखे। उनके साथ शो में 30 से ज्यादा बड़े स्टार्स नजर आए। फिल्म को काफी पसंद किया गया। शो ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा कलेक्शन किया अब फिल्म के ओटीटी रिलीज को लेकर भी खबरें आनी शुरू हो गई हैं। आइए जानते हैं ओटीटी पर फिल्म के कब रिलीज होने की खबरें हैं।

टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, फिल्म जियो हॉटस्टार पर प्रीमियर होगी। फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट को लेकर ऑफिशियली कंफर्मेशन नहीं आई हैं। लेकिन फिल्म के अगस्त के आखिर और सितंबर के शुरुआत में रिलीज होने की खबरें हैं। आमतौर पर थिएटर में रिलीज होने के बाद फिल्में ओटीटी पर 6 से 8 हफ्ते बाद रिलीज होती हैं। वेलकम टू द जंगल भी ये फॉलो करेगी।

बता दें कि वेलकम टू द जंगल थिएटर में 26 जून को रिलीज हुई थी। फिल्म की ऑफिशियल ओटीटी रिलीज डेट का फैंस को इंतजार है।

सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने 20 दिनों में 130 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म ने 131.35 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। पेड़ प्रिव्यूज में फिल्म ने 3.75 करोड़ कमाए थे। वहीं 15.25 करोड़ की ओपनिंग की थी। पहले हफ्ते में फिल्म ने 93.15 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 31.90 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया।

15वें दिन फिल्म ने 1 करोड़, 16वें दिन फिल्म ने 1.6 करोड़ कमाए, 17वें दिन फिल्म ने 1.9 करोड़ का बिजनेस किया। 18वें दिन फिल्म ने 55 लाख, 19वें दिन 75 लाख और 20वें दिन फिल्म ने 50 लाख कमाए। वहीं वर्ल्डवाइड फिल्म 180 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। फिल्म ने ओवरसीज मार्केट में 33.25 करोड़ की कमाई की। वहीं वर्ल्डवाइड 189.32 करोड़ का बिजनेस किया।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे पिता के भय से मेकर्स मुझे काम देने में घबराते थे : टीना

हीरो नंबर 1 यानी गोविंदा चाहे एक्टिंग से एक लंबे अरसे से दूर हैं, लेकिन उनका जलवा आज भी बरकरार है। सात साल से उन्होंने कोई फिल्म नहीं की है, लेकिन फिर भी वो फैंस के बीच छाए रहते हैं। हालांकि दूसरी ओर उनकी तरह उनकी बेटी टीना आहूजा का करियर नहीं चल पाया। कुछ फिल्मों में ही उनका करियर सिमट गया। आखिर टीना आहूजा क्यों बॉलीवुड में लंबी पारी नहीं खेल पाईं? इसका खुलासा खुद उन्होंने एक शो में किया था। गोविंदा ने साल 1987 में सुनीता आहूजा से शादी की थी। अब दोनों दो बच्चों के पैरेंट्स हैं। कपल के बेटे का नाम यशवर्धन आहूजा हैं जो एक्टिंग डेब्यू करने वाले हैं। वहीं कपल की बेटी टीना आहूजा ने एक दशक पहले ही अपने कदम इंडस्ट्री में रख दिए थे। टीना का जन्म 16 जुलाई 1989 को मुंबई में हुआ था। टीना आहूजा ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2015 में की थी। उस वक्त टीना करीब 26 साल की थीं। उनकी पहली फिल्म सेकंड हैंड हस्बैंड थी। हालांकि ये डिजास्टर साबित हो गई थी। इसके अलावा उनकी ड्राइविंग मी क्रेज़ी (2020) जैसी फिल्म भी पिट गई थी। फिल्मों के अलावा मिलो ना तुम जैसे म्यूजिक वीडियो में भी वो नजर आई थीं। हालांकि उनका करियर बेहद छोटा और असफल रहा। टीना के करियर पर स्टारकिड होने का प्रभाव भी पड़ा। उन्होंने एक शो के दौरान बताया था कि मेकर्स उन्हें काम देने में हिचकिचाते थे या उन्हें डर रहता था कि उनके पिता और सुपरस्टार गोविंदा सेट पर आकर कोई समस्या पैदा ना कर दें। टीना ने रियलिटी शो मां है ना में कहा था, मेकर्स ने मेरे बारे में पहले से ही ये राय बना रखी थी कि मैं गोविंदा की बेटी हूं तो मैं ऑडिशन या स्क्रीन टेस्ट नहीं दूंगी। जबकि मैं इसके लिए तैयार रहती थी। वो सोचते थे कि गोविंदा जी सेट पर आकर कोई मुश्किल न खड़ी कर दें। इस सोच के चलते वो मुझे कास्ट करने से बचते थे।

ये है दुनिया का इकलौता आइलैंड, जिसका हर छह महीने में बदल जाता है देश

मैड्रिड/पेरिस। दुनिया भर में दो देशों के बीच सीमाओं और जमीनी हिस्सों को लेकर जंग, तनाव और खून-खराबे की खबरें तो आम हैं। भारत-पाकिस्तान से लेकर दुनिया के कई देशों के बीच सीमा विवाद दशकों से चल रहे हैं। लेकिन क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि इस दुनिया में एक ऐसा भी आइलैंड है, जिसे लेकर दो शक्तिशाली देशों के बीच कोई विवाद नहीं है, बल्कि दोनों देश बेहद प्यार और मर्जी से हर छह महीने में इसे एक-दूसरे को सौंप देते हैं? सुनकर हैरानी होगी, लेकिन फीजंट आइलैंड को लेकर ऐसा ही होता आ रहा है। यह दुनिया का इकलौता ऐसा अनोखा टापू है, जो साल के छह महीने फ्रांस के हिस्से में रहता है और बाकी के छह महीने स्पेन का हिस्सा बन जाता है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस दिलचस्प व्यवस्था को 'फ्रांस और स्पेन के बीच बेहद धीमी गति से चल रहे पिंग-पॉन्ग (टेबल टेनिस) का खेल' करार दिया था। बता दें कि यह छोटा सा आइलैंड अटलांटिक महासागर में गिरने वाली बिदासोआ नदी के बीचों-बीच स्थित है, जो फ्रांस और स्पेन के बीच एक प्राकृतिक सीमा बनाती है। इतिहास के पन्नों को पलटें तो साल 1659 में इसी टापू पर फ्रांस और स्पेन के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की थी और ट्रीटी ऑफ द पाइरेनीज नाम की एक ऐतिहासिक संधि पर दस्तखत किए थे, जिसने दोनों देशों के बीच चले आ रहे तीस साल के लंबे युद्ध को हमेशा के लिए खत्म कर दिया था। इस संधि के तहत तय हुआ कि सीमा नदी के बिल्कुल बीच से गुजरेगी। नियम के मुताबिक तो इस 1.6 एकड़ के छोटे से टापू के दो टुकड़े होने चाहिए थे, जिसमें आधा फ्रांस का और आधा स्पेन का हक होता। लेकिन दोनों देशों ने एक अनोखा और शांतिपूर्ण रास्ता चुना और इस आइलैंड को एक 'कंडोमिनियम' (सह-प्रभुत्व वाला क्षेत्र) घोषित कर दिया।

कंडोमिनियम एक ऐसा इलाका होता है जहां दो या दो से अधिक देश बिना अपनी राष्ट्रीय सीमाएं तय किए, बराबर का अधिकार और संप्रभुता रखते हैं, जैसे कि अंटार्कटिका। लेकिन फीजंट आइलैंड की बात सबसे जुदा है, क्योंकि यहां दोनों देश एक साथ शासन नहीं करते, बल्कि बारी-बारी से शासन संभालते हैं। 1 फरवरी से 31 जुलाई तक यह टापू आधिकारिक तौर पर स्पेन के नियंत्रण में रहता है और फिर 1 अगस्त से 31 जनवरी तक इस पर फ्रांस का झंडा लहराता है। फिलहाल स्पेन के नियंत्रण वाला यह आइलैंड आने वाले 1 अगस्त को अपना देश बदलकर फ्रांस के पास चला जाएगा। हर छह महीने में दोनों देशों के बड़े अधिकारी इस टापू पर एक छोटी सी सीक्रेट मीटिंग और पारंपरिक समारोह करते हैं, जहां दस्तावेजों का आदान-प्रदान होता है और टापू की चाबी दूसरे देश को सौंप दी जाती है।

अजब-गजब | बेशकीमती है इस कीड़े की पॉटी

इस कीड़े के पेट से निकलता है 24 कैरेट सोना

वैज्ञानिक दुनिया में एक अनोखी खोज ने सबको हैरान कर दिया है। जर्मनी की मार्टिन लूथर यूनिवर्सिटी और टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख की रिसर्च टीम ने Cupriavidus metallidurans नाम के बैक्टीरिया को खोजा है। यह बैक्टीरिया इतना खास है कि जहरीले मेटल के कंपाउंड को खाकर अपनी पॉटी के रूप में शुद्ध 24 कैरेट गोल्ड निकालता है।

सुनने में अजीब लगता है, लेकिन विज्ञान इसे सच साबित कर रहा है। ये बैक्टेरिया खतरनाक और टॉक्सिक मेटल खाता है। इसके बाद इसकी बॉडी में ऐसे केमिकल रिएक्शन होते हैं, जिसकी वजह से जब ये पॉटी करता है तो वो मेटल सोने के शुद्ध रूप यानी चौबीस कैरेट गोल्ड के रूप में बाहर निकलता है। यह बैक्टीरिया भारी धातुओं जैसे कॉपर और गोल्ड से भरे माहौल में जीवित रहने की क्षमता रखता है। जब यह जहरीले मेटल के कंपाउंड का सामना करता है तो CopA नाम के एंजाइम का इस्तेमाल करके उसे डिटॉक्सिफाई कर देता है। इसका नतीजा? छोटे-छोटे शुद्ध सोने के पार्टिकल्स। समय के साथ ये पार्टिकल्स क्लंप होकर दाने के आकार के सोने के टुकड़ों में बदल जाते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि प्रकृति में सोने के चक्र (gold cycle) में यह बैक्टीरिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मिट्टी और पानी में घुले सोने के कंपाउंड को यह ठोस सोने में बदलता है। यह खोज सिर्फ रोचक नहीं बल्कि व्यावहारिक भी है। आजकल सोने की रिकवरी के लिए सायनाइड और मरकरी जैसे जहरीले केमिकल्स इस्तेमाल होते हैं, जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। इस बैक्टीरिया की मदद से कम ग्रेड ओर (low-grade ore) से भी पर्यावरण अनुकूल तरीके से सोना निकाला जा सकता है।

बैक्टीरिया जहरीले गोल्ड आयन्स को अंदर लेता है। CopA एंजाइम इन आयन्स को रिड्यूस करके नॉन-टॉक्सिक बना देता है। नतीजे में सूक्ष्म सोने के नैनोपार्टिकल्स बनते हैं। ये पार्टिकल्स इकट्ठे होकर बड़े टुकड़ों का रूप ले लेते हैं। वैज्ञानिक अब इस बैक्टीरिया को बायोमाइनिंग के लिए इस्तेमाल करने की प्लानिंग कर रहे हैं। इससे माइनिंग उद्योग में क्रांति आ सकती है। कम खर्च, कम प्रदूषण और ज्यादा रिकवरी यह तीनों फायदे एक साथ मिल सकते हैं। यह बैक्टीरिया दिखाता है कि प्रकृति कितनी अद्भुत है। जहां इंसान जहरीले केमिकल्स से सोना निकालता है, वहीं यह सूक्ष्म जीव बिना किसी नुकसान के सोना बना रहा है। यह खोज पर्यावरण संरक्षण और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। भारत जैसे देश में जहां माइनिंग और प्रदूषण दोनों बड़े मुद्दे हैं, इस तरह की रिसर्च नई उम्मीद जगाती है।

सोनम वांगचुक का अनशन जारी, कांग्रेस का भी समर्थन

» नया वीडियो आया सामने, कहा- मैं 20 जुलाई तक जिंदा रहूंगा, उसके बाद भूत बनकर आऊंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सोनम वांगचुक का अनशन आज 20वें दिन में प्रवेश कर गया। सपा, आप, शिवसेना यूबीटी के बाद उनको कांग्रेस का समर्थन भी मिला गया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा उनसे मिले और उनसे अनशन तोड़ने की अपील की। इसबीच भाजपा के एक नेता भी उनसे अनशन तोड़ने की अपील की। वंही एक वीडियो सामने आया है, जिसमें सोनम वांगचुक ने कहा कि 20 जुलाई को मार्च सफल नहीं रहा तो भूत बनकर वापस आऊंगा। उधर 20 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक की स्थिति एक तरफ बिगड़ती जा रही है तो दूसरी ओर सत्ता पक्ष के नेता इस पर कुछ बोलने से बच रहे हैं। इस बीच बिहार बीजेपी के नेता की इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया आई है।

बहार बीजेपी के प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने सवाल उठाया कि सोनम वांगचुक क्यों अनशन कर रहे हैं? जिस मुद्दे को लेकर वह अनशन पर बैठे हैं उस नीट के एग्जाम का रिजल्ट भी आ गया सोनम वांगचुक राजनीति कर रहे हैं। बीजेपी नेता ने कहा कि देश की जनता जानती है कि नरेंद्र मोदी की जो सरकार है वह जनकल्याण के लिए है। नरेंद्र मोदी की सरकार युवाओं की मेधा को कभी बर्बाद नहीं होने देगी। यही वजह है कि नीट के एग्जाम का रिजल्ट सही समय पर आ गया। सोनम वांगचुक का मुद्दा तो ऐसे ही समाप्त हो गया। उनको अनशन तोड़ देना चाहिए।

हमारी सरकार संवेदनशील है : प्रभाकर मिश्रा

इस सवाल पर कि सत्ता पक्ष का कोई नेता सोनम वांगचुक को मनाने नहीं जा रहा है। इस पर प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि क्यों सत्ता पक्ष के लोग मनाने जाएंगे? जिस मुद्दे को लेकर वह आमरण अनशन पर हैं वह तो ऐसे ही पलॉप हो गया, लेकिन ज्यादा हालत बिगड़ने नहीं दी जाएगी। हमारी सरकार संवेदनशील है। हर वर्ग के लोगों पर ध्यान देती है। किसी का अहित नहीं चाहती है। डॉक्टर उनका प्रॉपर इलाज कर रहे हैं। ज्यादा स्थिति बिगड़ी तो सरकार इस पर पहल करेगी।

खेड़ा ने की वांगचुक से अनशन समाप्त करने की अपील

पवन खेड़ा दिल्ली के जंतर मंतर पहुंचे और वहां अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान खेड़ा ने वांगचुक से अपना अनशन समाप्त करने की अपील की। इससे पहले कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने भी बृहस्पतिवार को सोनम वांगचुक से अनशन खत्म करने का आग्रह किया था। वेणुगोपाल ने कहा था कि वांगचुक जिन मुद्दों को लेकर चिंतित हैं, वे कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के लिए भी बड़ी चिंता का विषय हैं। पार्टी ने इस अवसर पर राजनीतिक मुद्दों को भी स्वर दिया और स्पष्ट किया कि वह केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर कायम रहेगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पार्टी पिछले दो महीनों से लगातार मंत्री के इस्तीफे की मांग उठा रही है।

वांगचुक से डरते हैं प्रधानमंत्री मोदी : अरविंद केजरीवाल

» 2011 के अन्ना आंदोलन का जिक्र करते हुए भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल जंतर-मंतर पर सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे, ताकि वे सोनम वांगचुक के प्रति एकजुटता ज़ाहिर कर सकें, जो अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। वांगचुक को सलाम करते हुए केजरीवाल ने कहा कि यह एक्टिविस्ट देश के छात्रों के लिए अपनी जान दांव पर लगाने को तैयार है और उन्होंने उन्हें अगला शिक्षा मंत्री बनाने का प्रस्ताव भी रखा।

केजरीवाल ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान को हटाओ और सोनम वांगचुक को देश का शिक्षा मंत्री बनाओ। केजरीवाल ने अन्ना हजारे के साथ 11 के अपने आंदोलन को भी याद किया। आप नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री को डर है कि वांगचुक क्रांतिकारी काम कर सकते हैं। वांगचुक और कॉकरोच जनता पार्टी उस जगह पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और नीट परीक्षा का पेपर लीक होने के मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा सोनम वांगचुक एक बहुत बड़े शिक्षाविद हैं। वे लद्दाख के लिए पहले भी भूख हड़ताल कर चुके हैं।

पेपर लीक से छात्रों का भरोसा टूटा है

जंतर-मंतर पर लोगों को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि पेपर लीक ने छात्रों का आत्मविश्वास तोड़ दिया है। केजरीवाल ने बताया कि उन्होंने भी नीट की परीक्षा दी थी और उसे पास किया था, साथ ही कहा कि उनके दोनों बच्चे भी उसी संस्थान से पढ़े हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाएं छात्रों के लिए एक सपना होती हैं। वे इस भरोसे के साथ परीक्षा हॉल में जाते हैं कि वे अपनी मेहनत से अपना भविष्य बनाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पेपर लीक देश के लिए खतरनाक है।

जो रूट ने इंग्लैंड को दिलाई शानदार जीत

» कोहली-अय्यर के अर्धशतक पड़े फीके, सीरीज 1-1 की बराबरी पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कार्डिफ। जो रूट की शानदार नाबाद 99 रन की पारी के दम पर इंग्लैंड ने गुरुवार को कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में खेले गए दूसरे वनडे में भारत को चार विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। अब सीरीज का फैसला रविवार को लॉर्ड्स में खेले जाने वाले तीसरे और अंतिम मुकाबले में होगा। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 44 ओवर में 233 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड ने 44.1 ओवर में छह विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

234 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जसप्रीत बुमराह ने बेन डकेट को जल्दी आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने जैकब बेथल को चलता किया। हैरी ब्रूक भी सिर्फ 16 रन बनाकर गुरनूर बराड़ का शिकार बने। एक समय इंग्लैंड का स्कोर 125/5 था, लेकिन जो रूट ने विल जैक्स (30) के साथ छठे विकेट के लिए 72 रन की अहम साझेदारी की और टीम को जीत तक पहुंचाया। रूट ने 133 गेंदों में नाबाद 99 रन बनाए। गस एटकिंसन ने विजयी चौका लगाकर मैच खत्म कर दिया।

इससे पहले भारत की ओर से कोहली ने 65 रन वहीं श्रेयस अय्यर ने 66 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों के बीच 67 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई, लेकिन उनके आउट होने के बाद भारतीय मध्यक्रम पूरी तरह बिखर गया। निचले क्रम में वॉशिंगटन सुंदर (2), अक्षर पटेल (1) और शिवम दुबे (0) कोई योगदान नहीं दे सके। भारत ने 26 गेंदों के भीतर 15 रन के अंतराल पर चार विकेट गंवा दिए, जिससे टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी।

क्या लॉर्ड्स वनडे होगा रोहित का आखिरी मैच?

इंग्लैंड के खिलाफ कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे मैच के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलों ने जोर पकड़ लिया है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का अंतरराष्ट्रीय करियर अब अंतिम दौर में पहुंचता दिख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला हो सकता है। भारतीय चयन समिति मौजूदा इंग्लैंड दौरे के बाद उन्हें वनडे टीम में आगे मौका देने के पक्ष में नहीं दिख रही है, जिसका मतलब है कि वह अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की योजनाओं का हिस्सा नहीं होंगे। रोहित शर्मा का हालिया वनडे प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। पिछले आठ वनडे मैचों में उन्होंने 241 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 30.1 और स्ट्राइक रेट 88.6 रहा है, जबकि उनके बल्ले से सिर्फ एक अर्धशतक निकला है। कार्डिफ वनडे में भी वह लय के लिए संघर्ष करते दिखे और 47 गेंदों में 26 रन बनाकर विल जैक्स का शिकार बने।

पकड़ा गया अंतरराष्ट्रीय साइबर कॉल सेंटर

» एडीसीपी किरण यादव ने की 'ऑपरेशन साइ-वज्र' की बड़ी कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में साइबर अपराध के खिलाफ चल रहे 'ऑपरेशन साइ-वज्र' के तहत लखनऊ क्राइम ब्रांच ने ओमेक्स अपार्टमेंट में संचालित एक कथित अंतरराष्ट्रीय साइबर कॉल सेंटर पर देर रात बड़ी दबिश दी। कार्रवाई के दौरान 8 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई है, जबकि भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए हैं।

एडीसीपी (क्राइम) किरण यादव ने बताया कि क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि ओमेक्स अपार्टमेंट में कई कॉल सेंटर संचालित किए जा रहे हैं, जिनका नेटवर्क विदेशों तक फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साइबर ठगी की आशंका को देखते हुए टीम ने रात में छापा मारा।

बरामदगी में कंप्यूटर और लैपटॉप,इंटरनेट नेटवर्किंग उपकरण, कॉलिंग सिस्टम,डेटा स्टोरेज डिवाइस, अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामग्री मिली।

विदेशी कनेक्शन की जांच

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि कॉल सेंटर के जरिए विदेशी नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा था या नहीं। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ के आधार पर मनी ट्रेल, बैंक खातों और डिजिटल ट्रांजैक्शन की जांच भी शुरू कर दी गई है।

नगर निगम के फेरबदल में कई अफसरों के बदले ठिकाने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम में हुए प्रशासनिक फेरबदल ने कई अधिकारियों के समीकरण बदल दिए हैं। किसी की पदोन्नति हुई तो किसी का कार्यक्षेत्र बदल गया। सबसे ज्यादा चर्चा अजीत राय की पदोन्नति और मनोज यादव के तबादले की रही। लंबे समय तक जोन-8 की जिम्मेदारी निभाने के बाद अजीत राय को पहले कर अधीक्षक के रूप में जोन-7 भेजा गया था। वहां के कार्यों के बाद अब उन्हें पदोन्नति देते हुए जोन-3 का जोनल अधिकारी बना दिया गया है। नगर निगम के गलियारों में इसे उनकी कार्यशैली का इनाम माना जा रहा है।

वहीं, पीसीएस अधिकारी आकाश कुमार के स्थानांतरण के बाद जोन-3 की कमान संभाल रहे मनोज यादव अब जोन-2 के जोनल अधिकारी होंगे। इस बदलाव ने निगम के अंदर नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है।फेरबदल के तहत विकास सिंह को जोन-8 से हटाकर जोन-7 का जोनल अधिकारी बनाया गया है, जबकि डॉ. आशीष सिंह को जोन-8 की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सालों से जलभराव, समाधान नहीं नगर निगम दे रहा तनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में जलभराव की समस्या कोई नई नहीं है। वर्षों से शहर के लगभग सभी नगर निगम जोनों में मुख्य सड़कों और गलियों में बारिश का पानी भरना आम बात हो गई है, लेकिन नगर निगम आज तक इसका स्थायी समाधान नहीं निकाल पाया है। मुख्य मार्गों के किनारे बनी नालियां कई स्थानों पर गायब हो चुकी हैं, जबकि कई जगह गाद और कचरे से पूरी तरह जाम पड़ी हैं। वहीं गलियों में सीवर से जुड़ी नालियां भी पानी की निकासी नहीं कर पा रही हैं, जिससे थोड़ी सी बारिश में सड़कें तालाब का रूप ले लेती हैं।

ओडियन सिनेमा, नावेल्टी चौराहा, हजरतगंज सहित शहर के कई प्रमुख मार्गों पर हर बरसात में यही स्थिति देखने को मिलती है। जलभराव के कारण यातायात प्रभावित होता है, दुकानदारों का कारोबार प्रभावित होता है और आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हर साल नाला सफाई और मानसून तैयारियों के दावे किए जाते हैं, लेकिन पहली बारिश में ही व्यवस्थाओं की हकीकत सामने आ जाती है। इसी बीच स्वच्छ सर्वेक्षण-26 और बरसात के मौसम को देखते हुए महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर निगम अधिकारियों के प्रति सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी प्रतिदिन सुबह 6 बजे से 9 बजे तक अपने-अपने क्षेत्रों में मौजूद रहकर साफ-सफाई, रोड कटिंग, मलवा निस्तारण और जलभराव की समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करें। महापौर ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि निर्धारित समय पर फील्ड में अनुपस्थित पाए जाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

» अब महापौर ने दिखाई सख्ती, अधिकारियों को मैदान में उतरने का आदेश

मानसून सत्र के लिए पक्ष व विपक्ष ने कसी कमर

» 20 जुलाई से संसद का सत्र शुरू होगा, एनडीए सरकार कई बील करेगी पेशकश

» कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने बनाई रणनीति, इंडिया गठबंधन का सरकार को घेरने की योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अगले हफ्ते शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र के लिए सत्ता पक्ष व विपक्ष दोनों ने कमर कस लिया है। जहां पीएम मोदी की नेतृत्व वाली एनडीए सरकार कई महत्वपूर्ण बिलों को इस सत्र में पास करवाने के लिए आतुर है तो वहीं कांग्रेस मॉनसून सत्र में मोदी सरकार को राम मंदिर दान विवाद, पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था के पतन और कमरतोड़ महंगाई जैसे गंभीर मुद्दों पर घेरने की रणनीति तैयार कर चुकी है।

पार्टी परिसीमन और मंत्रियों को हटाने से जुड़े प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयकों का भी कड़ा विरोध करेगी, जो सत्र के दौरान पेश किए जाएंगे। यह कदम सत्ता पक्ष पर दबाव बनाने और जनहित के मुद्दों को उजागर करने की एक सोची-समझी संसदीय रणनीति है। कांग्रेस ने कहा कि 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मॉनसून सत्र के दौरान वह कई मुद्दों पर नरेंद्र मोदी सरकार को घेरेगी। इन मुद्दों में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित चोरी, पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था का सिस्टमैटिक तौर पर खराब होना, महंगाई और विदेश नीति शामिल हैं। पार्टी ने यह भी घोषणा की कि वह परिसीमन और मंत्रियों व मुख्यमंत्रियों को हटाने से जुड़े प्रस्तावित संविधान संशोधन बिलों का, साथ ही सत्र के दौरान पेश किए जाने वाले कई अन्य कानूनों का भी कड़ा विरोध करेगी।

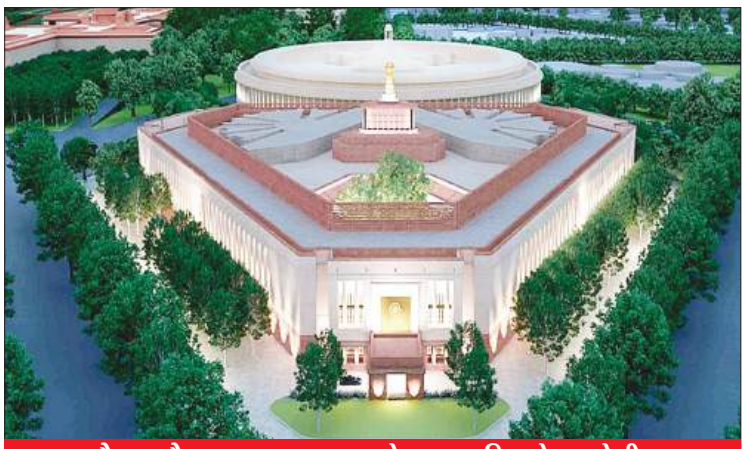

इनकम टैक्स और MSME सुधार समेत 5 नए बिल पेश करेगी सरकार

केंद्र सरकार अहम विधायी कार्यों और मुख्य कानूनों को बिना किसी बाधा के पारित कराने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस बीच, सत्र के दौरान पेश होने वाले संभावित बिलों की आधिकारिक सूची सामने आ चुकी है। सरकार मॉनसून सत्र के दौरान लोकसभा में निम्नलिखित पांच नए बिल पेश करने पर विचार कर रही है। इनकम टैक्स (संशोधन) बिल, 2026 - एक अध्यादेश की जगह लेने के लिए। सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन बिल, 26 - एक अध्यादेश की जगह लेने के लिए। जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, 2026।, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) बिल, 2026। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) बिल, 2026।उम्मीद है कि ये बिल सत्र के दौरान सरकार के विधायी एजेंडे का मुख्य हिस्सा होंगे।

सरकार के एजेंडे में दो लंबित बिल भी शामिल

नए कानूनों के अलावा, केंद्र सरकार उन दो बिलों पर भी विचार कर सकती है जो पहले से ही संसद में लंबित हैं- विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन बिल, 26, जिसे 25 मार्च,26 को लोकसभा में पेश किया गया था। विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल, 25, जिसे 15 दिसंबर, 25 को पेश किया गया था और बाद में आगे की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया था। हालांकि सरकार की आधिकारिक विधायी सूची में परिसीमन बिल या एक राष्ट्र, एक चुनाव बिल शामिल नहीं है, लेकिन सत्र से पहले ये दोनों प्रस्ताव राजनीतिक चर्चा के सबसे बड़े विषय बन गए हैं। विपक्षी दलों का मानना है कि केंद्र सरकार इन कानूनों को पेश करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। कांग्रेस पहले ही साफ़ कर चुकी है कि अगर संसद में परिसीमन की प्रक्रिया का बिल लाया जाता है, तो वह इसका विरोध करेगी।

कांग्रेस संसदीय दल की सोनिया गांधी के आवस पर बनी रणनीति

यह रणनीति कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी के 10 जनपथ स्थित आवास पर हुई कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में तय की गई। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, महासचिव केसी वेणुगोपाल, राज्यसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक जयराम रमेश, पी चिदंबरम, के सुरेश, नसीर हुसैन, मणिकम टैगोर, कुमारी शैलजा, तारिक अनवर, शशि थरूर, मनीष तिवारी और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

बैठक के बाद एक्स पर एक पोस्ट में खरगे ने उन मुद्दों के बारे में बताया जिन्हें पार्टी सत्र के दौरान उठाएगी। उन्होंने कहा कि चंदा चोरी -- आस्था के साथ धोखा, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था का अंदरूनी पतन, संस्थाओं पर कब्ज़ा, राजनीतिक पार्टियों को तोड़ना, कई घोटाले और भ्रष्टाचार के आरोप, कमरतोड़ महंगाई, विदेश नीति की विफलताएं और रणनीतिक गलतियां, 3.5 करोड़ वाहन मालिकों पर इथेनॉल ब्लेंडिंग थोपना, बेतहाशा पेड़ों की कटाई, और एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर लगातार हमले- ये कुछ ऐसे अहम मुद्दे हैं जिन पर कांग्रेस पार्टी संसद के आने वाले मॉनसून सत्र में मोदी सरकार से जवाब मांगेगी। खरगे ने कहा कि रणनीति बैठक में उन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई जो लोगों के जीवन और उनकी उम्मीदों पर असर डालते हैं।

मंत्रियों के समूह की बैठक की अध्यक्षता करेंगे राजनाथ

सरकार की तैयारियों के तहत, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार सुबह 11 बजे अपने आवास पर मंत्रियों के समूह की एक अहम बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उम्मीद है कि इस बैठक में मॉनसून सत्र के लिए तालमेल और विधायी रणनीति पर चर्चा होगी। दूसरी ओर, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने भी अपनी तैयारियां तेज़ कर दी हैं। कई आंतरिक बैठकें पहले से ही चल रही हैं, और संसद के दोबारा शुरू होने से एक दिन पहले, 19 जुलाई को विपक्षी दलों की एक संयुक्त बैठक बुलाई गई है। आने वाले सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिल सकती है। जहां सरकार अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगी, वहीं विपक्ष महंगाई, बेरोज़गारी, परीक्षा में गड़बड़ियों और जनता से जुड़े अन्य मुद्दों को उठा सकता है, जिससे संसद में राजनीतिक माहौल गरमा सकता है।

बंगाल के बहरामपुर में ट्रेन से टकराई स्कूल वैन, दो बच्चों समेत 3 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बहरामपुर बड़ा हादसा हुआ है। यहां बच्चों को स्कूल लेकर जा रही वैन रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन से टकरा गई। इस हादसे में दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा बहरामपुर के गोविंदपुर इलाके में हुआ है।

सूत्रों के मुताबिक, रेलवे क्रॉसिंग खुली हुई थी, जिसकी वजह से ये हादसा हुआ है। घटना में कुल 3 मौतें हुई हैं, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं. रेलवे क्रॉसिंग पर तैनात गेट मैन को तुरंत हिरासत में लिया गया है। इस हादसे में घायल हुए बच्चों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। इनमें से कुछ बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। बहरामपुर में हुए हादसे पर केंद्रीय मंत्री सुकांता मजूमदार ने दुख जताया है।

उन्होंने कहा कि किसी की भी जान जाना दुखद है, लेकिन बच्चों की मौत और भी ज्यादा दिल दहला देने वाली है. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस घटना की जांच जरूरी है और मुझे यकीन है कि रेलवे इसकी अलग से जांच करेगा। पूर्वी रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि हादसा सुबह करीब 7 बजे कर्ण सुबर्ण रेलवे स्टेशन के पास एक रेलवे क्रॉसिंग पर हुई। उन्होंने बताया,कटवा से करीब 48 किलोमीटर दूर कर्ण सुबर्ण स्टेशन के पास समपार फाटक पर स्कूली बच्चों को ले जा रही कार रेल पटरी पार कर रही थी तभी एक लोकल ट्रेन ने वाहन को टक्कर मार दी।

अमेरिकी एयरस्ट्राइक में चाबहार पोर्ट को बड़ा नुकसान

» निगरानी टावर ढहा, भारत के लिए अहम प्राजेक्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शुक्रवार को अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमलों में ओमान की खाड़ी पर स्थित ईरान के रणनीतिक चाबहार बंदरगाह को नुकसान पहुंचने की खबर है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हमले में बंदरगाह का एक निगरानी टावर (सर्विलांस टावर) ढह गया।

चाबहार बंदरगाह अफगानिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग माना जाता है और क्षेत्रीय रणनीति के लिहाज से इसकी अहम भूमिका है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें चाबहार बंदरगाह का निगरानी टावर ढहता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि, यह तस्वीर उनके साझा करने से पहले ही सोशल मीडिया पर कई एक्टिविस्ट्स के जरिए वायरल हो चुकी थी। चाबहार बंदरगाह पहले भी कई बार अमेरिकी हवाई हमलों के निशाने पर रहा है। इस बार हुए हमले के बाद ईरान के सरकारी मीडिया ने बंदरगाह पर तीसरे दौर की एयरस्ट्राइक की पुष्टि की, लेकिन निगरानी टावर के ढहने को लेकर तत्काल कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की। ईरान के दक्षिण-पूर्वी सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में ओमान की खाड़ी पर स्थित चाबहारबंदरगाह पश्चिम एशिया के सबसे रणनीतिक बंदरगाहों में गिना जाता है। यह बंदरगाह होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बाहर स्थित है, इसलिए तनाव या युद्ध की स्थिति में भी इसकी उपयोगिता बनी रहती है।

चेन्नई पुलिस ने प्रोजेक्ट मेघालय की जांच की तेज

» सीएम विजय की सरकार गिराने के लिए चला था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) की सरकार को अस्थिर करने की कथित साजिश प्रोजेक्ट मेघालय को लेकर चेन्नई पुलिस ने जांच तेज कर दी है। इस मामले में अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

आरोप है कि टीवीके के 15 विधायकों को 35-35 करोड़ रुपये ऑफर किए गए थे। यह शिकायत उथंगराई से टीवीके विधायक एन. एलैयाराजा ने दर्ज कराई थी। विधायक का आरोप है कि यूट्यूबर थिरुनावुक्कारासु, जो ओपिनियन पोलिंग ग्रुप चलाते हैं, और अन्य लोगों ने विधानसभा में पार्टी व्हिप के खिलाफ वोट करने के लिए उन्हें 35 करोड़ रुपये की पेशकश की।

विधायक एलैयाराजा ने कहा कि ऑफर ठुकराने के बाद उन्हें और उनके परिवार को धमकियां भी मिलीं। पुलिस जांच में सामने आया कि प्रोजेक्ट मेघायल नाम की एक योजना के तहत करीब 15 टीवीके विधायकों से संपर्क कर उन्हें पैसे का लालच देकर पार्टी छोड़ने के लिए मनाने की कोशिश की गई थी। पुलिस ने इस मामले की जांच के सिलसिले में इस हफ्ते क्षेत्रीय न्यूज चैनल पुथिया थलाइमुराई के सीनियर पत्रकार विजयन से पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि सबूतों से पता चला है कि विजयन का मुख्य आरोपी थिरुनावुक्कारासु से संपर्क था और उन्होंने उसे मैजेज भी भेजे थे। 15 और 16 जुलाई को पूछताछ के बाद पुलिस ने फोरेंसिक जांच के लिए विजयन का मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया।

चेन्नई प्रेस क्लब ने इस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। क्लब ने कहा कि विजयन से देर रात तक पूछताछ की गई, बिना उचित प्रक्रिया के फोन जब्त किया गया और अगले दिन फिर बुलाया गया। इसे प्रेस की आजादी पर हमला बताया। वहीं पुलिस का कहना है कि जांच पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया के तहत हो रही है।

अनुराग कुमार दिल्ली पुलिस के नए कमिश्नर

सतीश गोलचा हटाए गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस में शुक्रवार, 17 जुलाई को बड़ा बदलाव हुआ है। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी सतीश गोलचा को दिल्ली पुलिस कमिश्नर के पद से हटा दिया गया है। उनकी जगह साल 1994 बैच आईपीएस अधिकारी अनुराग कुमार को दिल्ली पुलिस का नया कमिश्नर नियुक्त किया गया है।

कुमार अभी इंटेलिजेंस ब्यूरो में स्पेशल डायरेक्टर के पद पर सेवाएं दे रहे थे। इस संदर्भ में एक आदेश में भारत सरकार के अवर सचिव राकेश कुमार सिंह की ओर से बताया गया कि अनुराग कुमार को कार्यभार संभालने की तारीख से और अगले आदेश तक दिल्ली का पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया जाता है वहीं सतीश गोलचा, को निर्देश दिया गया है कि नए अधिकारी के कार्यभार संभालने के बाद, वे अगली पोस्टिंग के लिए दिल्ली के उप-राज्यपाल को रिपोर्ट करें।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा